

कायर सके ना झेल फकीरी

कायर सके ना झेल फकीरी,
अलबेला रो खेल, फकीरी,
फकीरी अलबेला को खेल,
अलबेला रो खेल फकीरी,
कायर सके ना झेल फकीरी

ज्युँ रण माहीं लड़े नर सूरा,
अणियाँ झुक रहना सैल,
गोली नाल जुजरबा चालै,
सनमुख लेवै झेल,
अलबेला रो खेल फकीरी,

सती पति संग नीसरी है अपने पिया के गैल,
सुरत लगी अपने साहिब से,
अग्नि काया बिच मेल,
अलबेला रा खेल फकीरी

अलल पंछी ज्युँ उलटा चाले,
बाँस भरत नट खेल,
मेरु इक्कीस छेद गढ़ बंका,
चढ़गी अगम के महल,
अलबेला रो खेल फकीरी,

दो और एक रवे नहीं दूजा आप आप को खेल,
कहे सामर्थ कोई असल पिछाणै लेवै गरीबी झेल,
अलबेला रो खेल फकीरी,

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/21431/title/kayar-sake-na-jhel-fakeri>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |